Dhara News Samvaddata

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

धरा न्यूज संवाददाता, गाजियाबाद

आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा "इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए, 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री" विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज्त इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Sunhera Sansar Samvaddata

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

सुनहरा संसार वन्दना जोशी
संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यह्यइमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स- ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्यह्यपेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स- ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Muradnagar

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन।

स्वयं भारत आस मोहम्मद ब्यूरो चीफ

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यह्यइमजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी. टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स- ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Buland Sandesh

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी.- ए.3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये, जिसमें सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गई।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इन चेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala Samvaddata

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बोडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साव-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यह्यइमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेंन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया।इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिय गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैन्गिंग द मैक्सिममप्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्यह्यपेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यन से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Jan Sagar Today

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का हुआ आयोजन

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है।

इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Athah Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ''इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ''अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है।

इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्यह्यपेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Hint Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस में क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट के मॉड्यूल का आयोजन

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों की ओर से बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। तीन समूहो में आयोजित हुयें इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की ओर से छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी ने छात्रों को दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके ज्ञान बढाने की प्रकिया को समझाया।कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी ने छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया।

इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को लेकर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

Sign: __________ **Dental Library** __________________ **Director- Principal**

Hind Atma

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

मुरादनगर (हिन्द आत्मा)। आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया। जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना रहा। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. -ए. 3 डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये। इसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया गया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इनचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। व्याख्यान में उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग कर पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग कर टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ __________________

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस कॉलेज में क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के सथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ''इमर्जिंग रोल ऑफ सीबीसीटी- ए, 3डी, इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ''अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलॉजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ''पेरियोडॉटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडॉटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडॉटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ___________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Journey of Success

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के मॉड्यूल का आयोजन

● जनी ऑफ सक्सेस

मुरादनगर। नगर में आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया ' छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया, सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्वाइअटेनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नवेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चद्वारा विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वांगीण ज्ञान प्राप्त हुआ ' जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ Dental Library

____________________ Director- Principal

Muradnagar

Date: 05.03.2025

आई.टी.एस डेंटल कॉलेज में किया गया

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यह्यइमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्यह्यपेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Pahal Today

Date: 05.03.2025

आई0टी0एस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।
इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ‘‘इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. – ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री‘‘ विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

Sign: ___________ _______________________

Dental Library **Director- Principal**

इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ‘‘अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज़ इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च‘‘ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।
पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ‘‘पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेट‘‘ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।
इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Uday Bhoomi Samvaddata

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए क्लीनिकल एकेडमिक एनहांसमेंट कोर्स का आयोजन

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीव क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयेजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतग उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यह्यइमजिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्रीह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखाकिंत किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्चह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के आधार में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान मे इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ह्यह्यपेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंटह्यह्य विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसने में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग कर के टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Yug Karvat

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए इनहेन्समेंट कोर्स का आयोजन

गाजियाबाद (युग करवट) आईटीएस डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन, रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया, जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित कर, छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा 'इमर्जिंग रोल ऑफ सीबीसीटी-ए, 3डी इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये। जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सीबीसीटी के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गयी। छात्रों ने सीबीसीटी के प्रमुख और अन्य 2डी और 3डी इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सीबीसीटी की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ''अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज़ इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ''पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम में छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ ,जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani

Date: 05.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

मनस्वी वाणी, संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ह्यइमर्जिंग रोल ऑफ सीबीसीटी - ए. 3डी इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये।छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सीबीसीटी की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सीबीसीटी सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ह्यअटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये।कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ । सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: __________ __________________

Dental Library **Director- Principal**

Ten News

Date: 05.03.2025

ITS डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिएक्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा ''इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. – ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री'' विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी ‘‘अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज़ इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च‘‘ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को ‘‘पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेट‘‘ विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Aap Abhi Tak

Date: 06.03.2025

आयोजन | मुरादनगर आईटीएस डेंटल कॉलेज में बीडीएस इंटर्न्स के लिए

क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन

कार्यक्रम

- कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया

संवाददाता (आप अभी तक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी. - ए 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्सो के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढ़ने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रशिक्षित किया।

ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी।

पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Vartman Satta

Date: 06.03.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में दूसरे मॉडयूल का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, के ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी, ओरल पैथोलॉजी एवं पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभागों के द्वारा बीडीएस इंटर्न्स के लिये दो दिवसीय क्लीनिकल एकेडमिक एनहेन्समेंट कोर्स के दूसरे मॉड्यूल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 85 इंटर्न्स ने भाग लिया जिसमें छात्रों को तीन समूह में विभाजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उनके क्लीनिकल ज्ञान में वृद्धि के साथ-साथ उन्हें नवीनतम उपचार की प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पहले समूह को ओरल मेडिसिन एंड रेडियोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा "इमर्जिंग रोल ऑफ सी.बी.सी.टी.-ए. 3डी. इमेजिंग मोडेलिटी इन डेन्टिस्ट्री" विषय पर विभिन्न व्याख्यान एवं हैंड्स-ऑन प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को सी.बी.सी.टी. के उपयोग की मूल प्रक्रिया के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इसके साथ ही उन्होंने सी.बी.सी.टी. के प्रमुख और अन्य 2डी. और 3डी. इमेजिंग तौर-तरीकों के अंतर को रेखांकित किया तथा छात्रों को इमेज इंटरप्रिटेशन, नर्व ट्रेसिंग और आर्टिफैक्ट्स के बारे में प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को इम्प्लांट प्लानिंग करने में सी.बी.सी.टी. की भूमिका पर हैंड्स-ऑन दिया गया और इसके साथ-साथ सिर और गर्दन के हिस्से के विभिन्न प्रकार की हड्डी की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये सी.बी.सी.टी. सॉफ्टवेयर का अभ्यास करने के साथ छात्रों को इमेज को पढने एवं व्याख्या करने के लिये भी प्रषिक्षित किया। ओरल पैथोलॉजी विभाग की फैकल्टी द्वारा भी "अटैनिंग द मैक्सिमम प्रिसिशन इ नचेयर साइड एंड नॉन इनवेसिव मेथोडोलोजिज इन डायग्नोसिस एंड रिसर्च" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें उन्होंने सभी छात्रों को बताया की वह कैसे दंत चिकित्सा के अभ्यास में रिसर्च एवं विभिन्न प्रकार के अध्ययन करके अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने पीसीआर कार्यप्रणाली और मौलिक अनुसंधान में इसके महत्व के बारे में छात्रों को अवगत कराया तथा छात्रों को जीनोमिक्स की भूमिका के बारें मे भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को पीसीआर कार्यप्रणालियों के मूल सिद्धांतों के बारे बताया गया एवं इसके साथ-साथ इस विषय पर हैंड्स-ऑन भी दिया गया। इसके बाद छात्रों के साथ फंडामेंटल ऑफ सिस्टेमैटिक रिव्यू के बारे में पूर्ण चर्चा की गयी। पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग की फैकल्टी के द्वारा भी सभी छात्रों को "पेरियोडोंटल डिजीज, ओरल कैंसर और टूथ वियर रिस्क असेसमेंट" विषय पर विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। जिसमे में उन्होंने छात्रों को इस विषय से जुड़े जोखिमों एवं उसके मूल्यांकन से अवगत कराया तथा छात्रों को पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट टूल का उपयोग करके पेरियोडोंटल रिस्क असेसमेंट पर हैंड्स-ऑन दिया गया। इसके बाद छात्रों ने विशेषज्ञ की निगरानी में रोगियों पर इसका अभ्यास भी किया। इसके बाद छात्रों को कैम्ब्रा विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और छात्रों को मरीज पर बेसिक इरोसिव वेयर एग्जामिनेशन (बीईडब्ल्यूई) और टूथ वियर इवैल्यूएशन सिस्टम का उपयोग करके टूथ वियर रिस्क असेसमेंट पर एक हैंड्स-ऑन दिया गया तथा डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया। जिसके उपयोग से सभी छात्र रोगियों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकते है। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी छात्रों को क्लीनिक एवं एकेडमिक के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्राप्त हुआ जिसके लिये सभी ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**